# Script for Reels/Shorts

**Script 1**

लगभग 40 करोड़ लोगों के लिए बनने वाले इस tent city के बारे में जानकर आप भी हैरान रह जाओगे दोस्तों

सुनने में ही काफी imaginary concept लगता है right? पर ये सच में होने जा रहा है 2025 में organise होने वाले प्रयागराज के महाकुम्भ मेले मे।

UP Government की माने तो total 4000-hectare जमीं पर बने इस city में करीब 2 हज़ार tent और 25 हज़ार आवास की सुविधाएं शामिल है।

इसके साथ-साथ 67 हज़ार streetlights, 23 हज़ार CCTV cameras, chatbot system, temporary roads, hospitals और गिनती ख़तम नहीं होगी भाईसाहब! इन्होने इतनी भर भरके सुविधाएं दे रखी हैं।

Overall देखा जाये तो total 25 different sectors को मिलाकर ये इस दुनिया का सबसे बड़ा tent city बनने वाला है, जो की अपने आप में एक वर्ल्ड रिकॉर्ड है।

महाकुम्भ से related ऐसी ही और अधिक जानकारी के लिए जुड़े रहे हमारे साथ और बने रहे हमारे ऐप्प 'Mahakumbh 2025 ' के लिए।

---

**Script 2**

संस्कृत भाषा में 'कल्प' यानि लम्बे समय के लिए और 'वस्' मतलब वास करना; इन दोनों words को मिलाकर बना है कल्पवास।

एक ऐसी spiritual practice जहाँ लाखों devotees कुम्भ मेले में रहकर काफी सारे rituals and prayers में हिस्सा लेते है। आनेवाले 2025 के महाकुम्भ में इसकी शुरुवात होगी 11th January से जो चलेगी 12th February तक।

ऐसा माना जाता है की इस पुरे process को complete करने पर एक कल्प, यानि ब्रम्हदेव के एक दिन जितना पुण्य मिलता है।

कल्पवास में हिस्सा लेने वाले लोग, यानि कल्पवासी, लगभग 45 दिनों तक संगम के किनारे एक जगह बैठकर total 21 अलग-अलग rituals का part बनते है।

और ये कोई आसान काम नहीं है दोस्तों, क्योकि इन दिनों उपवास, व्रत, ब्रम्हचर्य, दान और न जाने ऐसे कितने सारे steps and criteria से होकर गुज़ारना पड़ता है।

और यह सब करने का सिर्फ एक ही main purpose है और वो है मोक्ष की प्राप्ति।

महाकुम्भ से related ऐसी ही interesting stories के लिए जुड़े रहे हमारे साथ और इसपर आपका क्या opinion है comment में जरूर बताये। धन्यवाद्!

---

**Script 3**

कुम्भ मेला घूमने प्रयागराज तो चले गए पर इन चार जगहों को miss कर दिया? फिर तो आपको regret feel होना ही है।

शुरुवात करते है Khusro Bagh से, railway station के नजदीक इस walled garden में आपको देखने मिलेंगे four sandstone mausoleums और Mughal architecture के ढेरों examples।

फिर उससे करीब छह किलोमीटर दूर चले आइये Minto Park; यमुना नदी के किनारे बसा हुआ ये ऐतिहासिक स्थल जाना जाता है Earl of Minto द्वारा बनाये गए four lion symbol के लिए।

और अगर यहाँ तक आ ही गए है तो Mankameshwar Temple कैसे miss कर दे? ऐसा माना जाता है की इस मंदिर में जो साढ़े तीन फ़ीट का शिवलिंग है, वो खुद भगवान राम द्वारा स्थापित किया गया था।

इससे ठीक 5-10 मिनट की दुरी पर आप visit कर सकते है श्री बड़े हनुमान जी मंदिर; जहाँ हनुमान जी की 20 फ़ीट लम्बी एकलौती ऐसी मूर्ति देखने को मिलेगी जो लेटी हुई मुद्रा में है। Fact तो ये भी है की संगम का पानी एक limit तक ऊपर आता है और हनुमान जी की मूर्ति को छूकर वापिस लौट जाता है।

महाकुम्भ और इससे जुड़ी ऐसी और जानकारी के लिए बने रहे हमारे साथ और comment में suggest कीजिये ऐसी जगह जो आप miss नहीं करना चाहेंगे।

---

**Script 4**

आकाश, वायु, जल, अग्नि और पृथ्वी; इन पांच तत्वों को दर्शाती है आरती, जो आती है संस्कृत शब्द आरात्रिक से। आइये जानते है आनेवाले 2025 के महाकुम्भ में इसकी values और importance के बारे में।

ऐसा माना जाता है की कुम्भ event के दौरान गंगा, यमुना और सरस्वती नदियों के संगम में दैवीय शक्ति का वास होता है और इस पुरे ritual और prayer को 'महाआरती' बुलाया जाता है।

Throughout the event बटुक ब्राम्हण इस पुरे process को सुभह और शाम दोनों वक़्त lead करते है। इसके साथ साथ भजन, जयकारें, धुप, और चारो तरफ घंटिकाओं की गूंज के साथ इन पवित्र नदियों की पूजा की जाती है।

इसमें हिस्सा लेने वाले लोगो को हमेशा एक अलग positive energy महसूस होती है जिसे बोलकर समझाना मुश्किल है। अब अगले साल वाले event में जाने का इससे बड़ा reason और क्या हो सकता है?

अगर मौका मिले तो आप किसके साथ जाना चाहोगे comments में जरूर बताइयेगा और अगर जा रहे है तो हमारा ऐप्प 'Mahakumbh 2025' डाउनलोड करना न भूले। मिलते है next video में!